

मानसून की कस्तक

भारत में सदियों से मानसून का इंतजार पलक-पांवड़े बिछाकर किया जाता रहा है। आजादी के साथ दशक बाद भी भारतीय कृषि की सिंचाई के लिये मानसून पर निरपेक्ष बताती है आज भी मानसून अब उत्पादन की धूरी है। यही बजह है कि भारतीय साहित्य वर्षण क्रृतु के गुणान से पुष्पित-पर्वत रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में मानसून अगमन के साथ ही शहरी लोगों के माथे पर चिंता की लकड़ीं उभरी हैं। हाल ही में मानसून की दस्क के साथ ही हरियाणा की आधुनिक नगरी गुरुग्राम व अन्य शहरों की सड़कों के पारें वर अन्य वाहन रौरत नजर आये। इससे ऐटे वाहनों व पैदल चलते की दुश्खियों को अंदाज लगाया जा सकता है। थोड़ी बारिश में भी सड़कें नालों में तद्देल होने लगती हैं। प्रसासन के अधिकारियों को पता होता है कि मानसून किस समय पर आए। सूचना माध्यमों में लगातार मानसून आगमन की तिथियों का उल्लेख होता भी है। लेकिन काहिल तंत्र के कान पर ज़ुन नहीं रोती। विभिन्न विभागों में जल निकासी के लिये पंछ भी होते हैं ताकि शहरों में जल भराव की स्थिति न बने। नागरिकों को मुस्किलों का समान न करना पड़े। लेकिन समय रहते नालियों व सीधीरेज व्यवस्था की खामियों को दूर नहीं किया जाता। जरा सी बारिश अधिकारियों व स्थानीय निकायों के दावों की पोल खोल देती है। हाल के दिनों में ग्लोबल वायरिंग के प्रभाव के चलते बारिश के पैटर्न में भी बदलाव आया है। अब बारिश रिमिक्स-रिमिक्स होने के बजाय ज्यादा तेजी से होती है। बरसने की अवधि मात्र लेकिन पानी की भाँति होती है। कम समय में खार भराव का सकंट पैदा होता है जिसके चलते सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। लेकिन विडंबना के क्षेत्र पर आये हैं। विडंबना पर आये हैं कि हर साल ये खो देने वाले सकंट के बजाय पूरे साल इस समस्या के निराकरण के लिये गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आते हैं। यह दुर्घायपर्ण तथा है कि देश में कॉलेजों व अपार्टमेंट्स के निर्माण के दैशन जल निकासी के लिये जरूरी वैज्ञानिक तौर-तरीकों को नहीं अपनाया जाता है। शहरी निर्माण के नियोजन की दिशा में साथक पहल होती नजर नहीं आती। होना तो यह चाहिए कि किसी भी माकान का नक्शा पास होने से निर्माण तक जल निकासी व संरक्षण के सख्त प्रवाधन हो। लेकिन भू मसिहाओं ने उन जगहों की यों केन-प्रकारेण आवासीय स्थलों में बदल दिया जो कभी पानी की खामियों का जरिया होते थे। रसअसल, शहरी संस्कृत में लोगों की पानी की उत्तरायित तो बढ़ी, लेकिन उस अनुपात में प्रयोग किये गये पानी की निकायों की व्याख्या नहीं की गई। पानी की स्थावाकिं विकास के खिलाफ लोगों की निचले स्थलों की ओर जाता है। पानी के प्रति संवेदनशील दृष्टि रखने वाले लोगों तो यहां तक के बजाय कंचाई से हैं कि पानी अपनी जीमी तलाशता है जिस पर इसन कब्जा करके निर्माण कर बैठा है। यदि पूरे देश में सर्वे किया जाये तो सामने आएगा कि देश में लालों तालाबों, बाढ़ियों, नालों-नालियों पर अतिक्रम करके भू-मापिया ने निर्माण कर लिया है। बारिश के पानी के स्थावाकिं रास्ते पर जब अवैध निर्माण होगा तो जाहिर है कि पानी भी इसानों इलाकों में अपना रास्ता तलाश करेगा। यह सामान्य सी बात हमरे नीति-नियातों और बिल्डर्स की समझ में नहीं आ रही है, जिसका खमियाजा आम लोगों को दिक्कत उठाने के रूप में भुगतान पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर साथीरों से बारिश के पानी को सहेजने के गंभीर प्रयासों को तो जगही नहीं दी है। देश में मानसून के दैशन जल जीवनदायी पानी यूं ही नहीं-नालों से होता हुआ नहीं के जरिये समृद्ध कर बड़ा जाता है। इस पानी को धू-गर्भ में पुच्छकर हम यांत्री सर्वानुषय कर रखते थे। निस्विद्ध, देश में लालातर भूर्भूमी जल खत्म हो रहा है। इसके चलते डार्क जोन बनने से खेतों के अस्तित्व पर खारा मडाने लगा है। हम अगर अब भी न चेते तो देश के कई बड़े महानगर आने वाले दिनों में भीषण जल सकंट का सामना करेंगे। जिसके लिये अभी से कारगर नीतियां बनाने की जरूरत है।

विचार

टी एस सिंहदेव पर उचित फैसला

छ चीमगढ़ समेत पांच राज्यों में इस

साल के आखिर में चूनाव होने

हैं। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें हैं और दोनों ही राज्यों में कांग्रेस सत्ता बनाए रखने की उमीद दिखा रही है। वहीं मध्यप्रदेश में भाजपा को सत्ता होने की ओर बोली दिखाई दी है। लेकिन यह भी कांग्रेस के पानी को सहेजने के गंभीर प्रयासों को तो जगही नहीं दी गई है। देश में मानसून के दैशन जल जीवनदायी पानी यूं ही नहीं-नालों से होता हुआ नहीं के जरिये समृद्ध कर बड़ा जाता है। इसके लिए यहां भी उपर्युक्त विधायिक विधायिक संस्कृती की ओर जारी होती है। पानी को सहेजने के गंभीर प्रयासों को तो जगही नहीं दी गई है। देश में मानसून के दैशन जल निकासी के लिये जरूरी वैज्ञानिक तौर-तरीकों को नहीं अपनाया जाता है। शहरी निर्माण के नियोजन की दिशा में साथक पहल होती नजर नहीं आती। होना तो यह चाहिए कि किसी भी माकान का नक्शा पास होने से निर्माण तक जल निकासी व संरक्षण के सख्त प्रवाधन हो। लेकिन भू मसिहाओं ने उन जगहों की यों केन-प्रकारेण आवासीय स्थलों में बदल दिया जो कभी पानी की खामियों का जरिया होते थे। रसअसल, शहरी संस्कृत में लोगों की पानी की उत्तरायित तो बढ़ी, लेकिन उस अनुपात में प्रयोग किये गये पानी की निकायों की व्याख्या नहीं की गई। पानी की स्थावाकिं विकास के खिलाफ लोगों की निचले स्थलों की ओर जाता है। पानी के प्रति संवेदनशील दृष्टि रखने वाले लोगों तो यहां तक के बजाय कंचाई से हैं कि पानी अपनी जीमी तलाशता है जिस पर इसन कब्जा करके निर्माण कर बैठा है। यदि पूरे देश में सर्वे किया जाये तो सामने आएगा कि देश में लालों तालाबों, बाढ़ियों, नालों-नालियों पर अतिक्रम करके भू-मापिया ने निर्माण कर लिया है। बारिश के पानी के स्थावाकिं रास्ते पर जब अवैध निर्माण होगा तो जाहिर है कि पानी भी इसानों इलाकों में अपना रास्ता तलाश करेगा। यह सामान्य सी बात हमरे नीति-नियातों और बिल्डर्स की समझ में नहीं आ रही है, जिसका खमियाजा आम लोगों को दिक्कत उठाने के रूप में भुगतान पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर साथीरों से बारिश के पानी को सहेजने के गंभीर प्रयासों को तो जगही नहीं दी गई है। देश में मानसून के दैशन जल जीवनदायी पानी यूं ही नहीं-नालों से होता हुआ नहीं के जरिये समृद्ध कर बड़ा जाता है। इसके लिए यहां भी उपर्युक्त विधायिक विधायिक संस्कृती की ओर जारी होती है। पानी को सहेजने के गंभीर प्रयासों को तो जगही नहीं दी गई है। देश में मानसून के दैशन जल निकासी के लिये जरूरी वैज्ञानिक तौर-तरीकों को नहीं अपनाया जाता है। शहरी निर्माण के नियोजन की दिशा में साथक पहल होती नजर नहीं आती। होना तो यह चाहिए कि किसी भी माकान का नक्शा पास होने से निर्माण तक जल निकासी व संरक्षण के सख्त प्रवाधन हो। लेकिन भू मसिहाओं ने उन जगहों की यों केन-प्रकारेण आवासीय स्थलों में बदल दिया है। लेकिन यह भी कांग्रेस के पानी की उत्तरायित तो बढ़ी, लेकिन उस अनुपात में प्रयोग किये गये पानी की निकायों की व्याख्या नहीं की गई। पानी की स्थावाकिं विकास के खिलाफ लोगों की निचले स्थलों की ओर जाता है। पानी के प्रति संवेदनशील दृष्टि रखने वाले लोगों तो यहां तक के बजाय कंचाई से हैं कि पानी अपनी जीमी तलाशता है जिस पर इसन कब्जा करके निर्माण कर बैठा है। यदि पूरे देश में सर्वे किया जाये तो सामने आएगा कि देश में लालों तालाबों, बाढ़ियों, नालों-नालियों पर अतिक्रम करके भू-मापिया ने निर्माण कर लिया है। बारिश के पानी के स्थावाकिं रास्ते पर जब अवैध निर्माण होगा तो जाहिर है कि पानी भी इसानों इलाकों में अपना रास्ता तलाश करेगा। यह सामान्य सी बात हमरे नीति-नियातों और बिल्डर्स की समझ में नहीं आ रही है, जिसका खमियाजा आम लोगों को दिक्कत उठाने के रूप में भुगतान पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर साथीरों से बारिश के पानी को सहेजने के गंभीर प्रयासों को तो जगही नहीं दी गई है। देश में मानसून के दैशन जल जीवनदायी पानी यूं ही नहीं-नालों से होता हुआ नहीं के जरिये समृद्ध कर बड़ा जाता है। इसके लिए यहां भी उपर्युक्त विधायिक विधायिक संस्कृती की ओर जारी होती है। पानी को सहेजने के गंभीर प्रयासों को तो जगही नहीं दी गई है। देश में मानसून के दैशन जल निकासी के लिये जरूरी वैज्ञानिक तौर-तरीकों को नहीं अपनाया जाता है। शहरी निर्माण के नियोजन की दिशा में साथक पहल होती नजर नहीं आती। होना तो यह चाहिए कि किसी भी माकान का नक्शा पास होने से निर्माण तक जल निकासी व संरक्षण के सख्त प्रवाधन हो। लेकिन भू मसिहाओं ने उन जगहों की यों केन-प्रकारेण आवासीय स्थलों में बदल दिया है। लेकिन यह भी कांग्रेस के पानी की उत्तरायित तो बढ़ी, लेकिन उस अनुपात में प्रयोग किये गये पानी की निकायों की व्याख्या नहीं की गई। पानी की स्थावाकिं विकास के खिलाफ लोगों की निचले स्थलों की ओर जाता है। पानी के प्रति संवेदनशील दृष्टि रखने वाले लोगों तो यहां तक के बजाय कंचाई से हैं कि पानी अपनी जीमी तलाशता है जिस पर इसन कब्जा करके निर्माण कर बैठा है। यदि पूरे देश में सर्वे किया जाये तो सामने आएगा कि देश में लालों तालाबों, बाढ़ियों, नालों-नालियों पर अतिक्रम करके भू-मापिया ने निर्माण कर लिया है। बारिश के पानी के स्थावाकिं रास्ते पर जब अवैध निर्माण होगा तो जाहिर है कि पानी भी इसानों इलाकों में अपना रास्ता तलाश करेगा। यह सामान्य सी बात हमरे नीति-नियातों और बिल्डर्स की समझ में नहीं आ रही है, जिसका खमियाजा आम लोगों को दिक्कत उठाने के रूप में भुगतान पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर साथीरों से बारिश के पानी को सहेजने के गंभीर प्रयासों को तो जगही नहीं दी गई है। देश में मानसून के दैशन जल जीवनदायी पानी यूं ही नहीं-नालों से होता हु

छत से गिरकर वृद्ध की मौत

► सूचना मिलते ही परिजनों में मचा कोहराम
► परिजनों ने पुलिस को बर्गर सूचना दिये थे शब का किया अतिम संस्कार
► कुछ वर्ष पूर्व पत्नी की भी हो चुकी है मौत



गुमशुम खड़े मृतक के परिजन

में जा गिरे। आवाज सुनकर परिजन के मोहब्ब रैयदाबाद निवासी राधेश्यम उम्र 59 वर्ष जो रात में लाइट जाने के बाद 1 बजे जीने से छत पर गए। छत पर पहुंचते ही वृद्ध का जीने पर पैर फिल गया और वह आगम

ट्रक-ट्रैक्टर की आमने-सामने भिड़त में एक की मौत, 5 गंभीर

► प्राथमिक उपचार के बाद
घायलों को लाहिया किया
गया रेफर

► जानकारी होने पर परिजनों
में मचा कोहराम

राजेपुर, समृद्धि न्यूज़ ट्रक व
ट्रैक्टर की आमने-सामने भिड़त में एक
की मौत हो गई, जबकि पांच
लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।

सूचना पर पहुंची पुरिजनों ने घायलों को
उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य
केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने
प्राथमिक उपचार के बाद हालत
बिगड़ने पर घायलों को लाहिया
अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार थाना राजेपुर
के अंतर्गत गांव कुतुपुर के सामने
बीती रात कुतुपुर के सामने
बदायूं की तरफ से आ रहे ट्रक संख्या
यूके/एसीए 8035 अनियंत्रित होकर
कायमगंज रस्ते पर गुरुसरिया निवासी
किसान अपने पावर ट्रैक्टर से मंडी
अल्पहंगंज जनपद शाहजहापुर से



घटनास्थल पर खड़ी बातिग्रस्त ट्रैक्टर ट्राली व ट्रक

केंद्र राजेपुर पहुंचाया। जहां चिकित्सक
ने जबर सिंह की मौके
में बैठे 60 वर्षीय जबर सिंह की मौके
पर ही मृत्यु हो गई, जबकि संदोप 22
वर्ष, शिवराम 60 वर्ष, श्याम सिंह 50
वर्ष, अरुण 24 वर्ष, फूलचंद 25 वर्ष
गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना
पर पहुंचे थानाध्यक्ष दिवाकर प्रसाद ने
सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य

सेवा विक्रिय कर वापस घर जा रहे
थे। जबर सिंह की मूर घोषित कर दिया।
अर्य की हालत बिगड़ने पर
चिकित्सक ने डॉ० राम मनोहर
लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर
दिया। घटना की जानकारी होने पर
परिजनों में कोहराम मच गया। डॉ०
राम मनोहर लोहिया अस्पताल में सभी
घायलों का उपचार जारी है।

बाइक चालक पर मार्ग दुर्घटना का मुकदमा दर्ज



बाइक संख्या यूपी 82एफ/6293 के
चालक संख्या सिंह निवासी ग्राम
नगला कटिल थाना अलीगंज जिला
एटा ने टक्कर मार दी। जिससे मेरे
पिता गंभीर रूप से घायल हो गये।
उपचार के लिए सीएचसी लेकर
पहुंचे। जहां हालत बिगड़ने पर
चिकित्सक ने लाहिया रेफर कर दिया।
जहां उपचार के दौरान मौत हो गई।
पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच
पड़ाल शुरू कर दी।

गंगा में झुबे प्लंबर की दूसरे दिन भी खोज जारी



घटनास्थल का निरीक्षण करते एसडीएम व मौजूद परिजन व गोताखार
शमशाबाद, समृद्धि न्यूज़। गंगा
में झुबे प्लंबर कारीगर की खोज में
सुबह से ही गोताखार सक्रिय हो गये।
परिजन भी मौके पर पहुंचे। परिजनों
ने गोताखारों के साथ स्टीमर पर
बैठकर गंगा में खोज की। जनपद
रायबरेली के गांव गदांग निवासी

रामकिशोर का 22 वर्षीय पुत्र
अधिकारीक जो प्लंबर कारीगर है। वह
गंगा में कल झुब गया था। सूचना पर
परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों
में पिता रामकिशोर, चाचा मुकेश,
चाचा संतराम, मामा ननकू आदि
परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और

दो कारों की आमने
सामने भिड़त में
चालक घायल

शमशाबाद, समृद्धि न्यूज़।
आमने सामने कारों की भिड़त में एक
कर चालक घायल हो गया, वहीं
दूसरा कर चालक मौके से फरार हो
गया। सूचना पर पहुंची पुलिस कारों
को सड़क में लाताकर आवागमन
शुरू कराया।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को
जनपद शाहजहापुर की कोतवाली
जलालाबाद निवासी कर चालक
खालिद अपनी कार लेकर लगभग
आधा दर्जन सलारियां बैट्रैकर कपिल
जा रहे थे। कायमगंज फर्नर्खाबाद रोड
पर गांव जलालाबाद में कायमगंज की
तरफ से आ रही बैगनआर कार
जिसमें कर चालक खालिद घायल
हो गए। बैगनआर चालक गाड़ी
बैट्रैकर मौके से फरार हो गया। घटना
की सूचना पुलिस को दी गयी।
फैजबाग चौकी इंचार्ज संजय राव ने
मौके पर पहुंचकर दोनों कारों को
अपने कब्जे में लिया और घायल
चालक को उसके साथी कायमगंज
उपचार के लिए ले गए। जहां उसे
सीएचसी में भर्ती कराया।

शव ले जाने को लेकर ससुराली व मायके पक्ष में चले ईट पथर

► बीते दिन नवविवाहिता की
मौत के मामले में पिता को
तहरीर पर सुसालीजन के
खिलाफ दर्ज हुआ था
मुकदमा

► पोस्टमार्टम में घटी घटना,
दो हिरासत में



पोस्टमार्टम हाउस में परिजनों को समझाई पुलिस

जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम
को गौतम पुत्र अवनीश के साथ
विवाह किया था। सुसालीजन
इंचार्ज राजीव कुमार यादव,
कांस्टेबिल विधिक कुमार ने पहुंचकर
जांच पड़ाल की। वहीं सूचना पर
मुतका के पिता मैक्कलूल पुत्र बाबूराम
निवासी कुरांबंदा जलालाबाद जनपद
शाहजहापुर व मुतका का भाई
रामजीत अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी।
इस देवर लेकर खिला दी
पुलिस से दर्द बढ़ दी गया था। कुछ देर
बाद उसके लिए दर्द होने लगा।
आनन्द-फालन में उसे सीएचसी लेकर
पहुंचे। जहां चिकित्सक अमरेश

कुमार ने मृत घोषित कर दिया।
अतिरिक्त दहेज की खातिर पति
गौतम, समुर अवनीश के साथ
विवाह किया था। सुसालीजन
अतिरिक्त दहेज में ईट पथर
चलने लगे। यह देखे भगदड मच गयी।
इस दौरान ससुराल पक्ष शव ले जाने का दबाव
बना रहे थे। वहीं मायके पक्ष ने भी
जिसमें घटना के बाद घर लाव
भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने
दो लोगों को हिरासत में ले लिया।
जानकारी के अनुसार कोतवाली
क्षेत्र के गांव महमदीपुर निवासी 21

वर्षीय बरंती पर्याप्त मौत हो गई। यहीं
मृतकों के पिता के बाबूराम को
निवासी कुरांबंदा जलालाबाद जनपद
शाहजहापुर व कुमार का भाई
रामजीत लोगों ने हत्या कर दी।
इस देवर लेकर खिला दी
पुलिस से शव का पंचनामा भरकर
रखाया और पुलिस को घटना के
संबंध में तहरीर दी। जिसमें पुत्री की
हत्या करने का आरोप लगाया। वी
तहरीर के आधार उत्तर ससुरालियों के
विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर दिया था।
कुमार को पोस्टमार्टम के दौरान

को गौतम पुत्र अवनीश के साथ
विवाह किया था। सुसालीजन
अतिरिक्त दहेज में ईट पथर
चलने लगे। देखते ही देखते ईट पथर
चलने लगे। जिसमें कुरांबंदा जलालाबाद जनपद
शाहजहापुर के साथ गया। इस
दौरान ससुरालीजन शव गाड़ी में
रखाया और पुलिस को घटना के
संबंध में तहरीर दी। जिसमें पुत्री की
हत्या करने का आरोप लगाया। वी
तहरीर के आधार उत्तर ससुरालियों के
विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर दिया था।
कुमार को पोस्टमार्टम के दौरान

को गौतम पुत्र अवनीश के साथ
विवाह किया था। सुसालीजन
अतिरिक्त दहेज में ईट पथर
चलने लगे। यह देखे भगदड मच गयी।
इस दौरान ससुरालीजन शव ले जाने का दबाव
बना रहे थे। वहीं मायके पक्ष ने भी
जिसमें घटना के बाद घर लाव
भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने
दो लोगों को हिरासत में ले लिया।
जानकारी के अनुसार कोतवाली
क्षेत्र के गांव महमदीपुर निवासी 21

वर्षीय बरंती पर्याप्त मौत हो गई। यहीं
मृतकों के पिता के बाबूराम को
निवासी कुरांबंदा जलालाबाद जनपद
शाहजहापुर व कुमार का भाई
रामजीत लोगों ने हत्या कर दी।
इस देवर लेकर खिला दी
पुलिस से शव का पंचनामा भरकर
रखाया और पुलिस को घटना के
संबंध में तहरीर दी। जिसमें पुत्री की
हत्या करने का आरोप लगाया। वी
तहरीर के आधार उत्तर ससुरालीजन
अतिरिक्त दहेज में ईट पथर
चलने लगे। देखते ही देखते ईट पथर
चलने लगे। यह देखे भगदड मच गयी।
इस दौरान ससुरालीजन शव ले जाने का दबाव
बना रहे थे। वहीं मायके पक्ष ने भी
जिसमें घटना के बाद घर लाव
भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने
दो लोगों को हिरासत में ले लिया।
जानकारी के अनुसार कोतवाली
क्षेत्र के गांव महमदीपुर निवासी 21

वर्षीय बरंती पर्याप्त मौत हो गई। यहीं
मृतकों के पिता के बाबूराम को
निवासी कुरांबंदा जलालाबाद जनपद
शाहजहापुर व कुमार का भाई
रामजीत लोगों ने हत्या कर दी।
इस देवर लेकर खिला दी
पुलिस से शव का पंचनामा भरकर
रखाया और पुलिस को घटना के
संबंध में तहरीर दी। जिसमें पुत्री की
हत्या करने का आरोप लगाया। वी
तहरीर के आधार उत्तर ससुरालीजन
अतिरिक्त दहेज में ईट पथर
चलने लगे। देखते ही देखते ईट पथर
चलने लगे। यह देखे भगदड मच गयी।
इस दौरान ससुरालीजन शव ले जाने का दबाव
बना रहे थे। वहीं मायके पक्ष ने भी
जिसमें घटना के बाद घर लाव
भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने
दो लोगों को हिरासत में ले लिया।
जानकारी के अनुसार कोतवाली
क्षेत्र के गांव महमदीपुर निवासी 21

वर्षीय बरंती पर्याप्त मौत हो गई। यहीं
मृतकों के पिता के बाबूराम को
निवासी कुरांबंदा जलालाबाद जनपद
शाहजहापुर व कुम